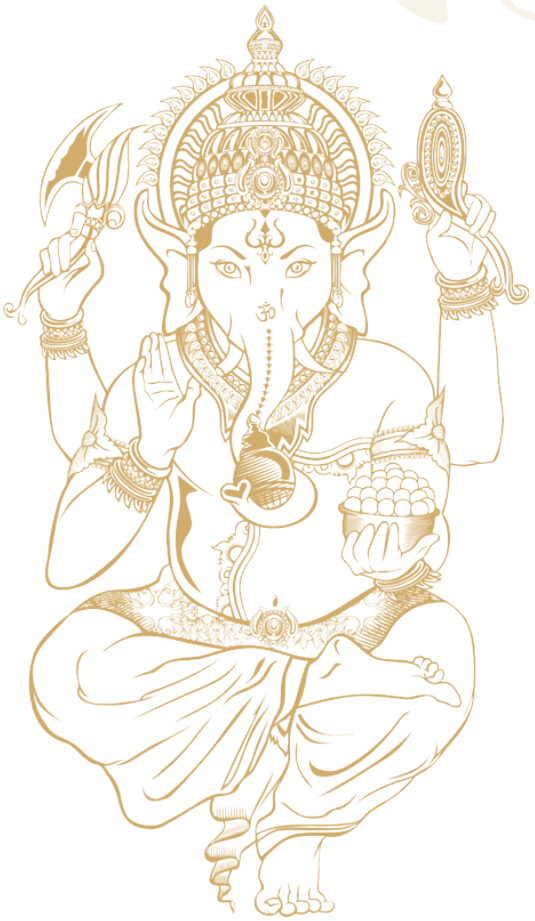

A

29 Oct 1986

01:50 AM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 121599613

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/10/1986**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:50:00 घंटे**
इष्ट	48:27:35 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:30:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:12 घंटे
साम्पातिक काल	03:58:20 घंटे
सूर्योदय	06:26:58 घंटे
सूर्यास्त	17:38:55 घंटे
दिनमान	11:11:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:26:38 तुला
लग्न के अंश	09:26:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:26:03	315:50:48	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			तुला	11:26:38	00:59:56	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			सिंह	14:53:05	12:57:30	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मक	17:55:52	00:37:09	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	04:15:49	00:31:10	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	19:29:19	00:02:10	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
शुक्र	व	अ	तुला	23:19:55	00:29:31	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			वृश्चि	14:19:33	00:06:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:10:15	00:01:28	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:10:15	00:01:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	26:15:01	00:02:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	09:53:26	00:01:23	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:32:02	00:02:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			वृष	08:01:05	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:16

लग्न-चलित

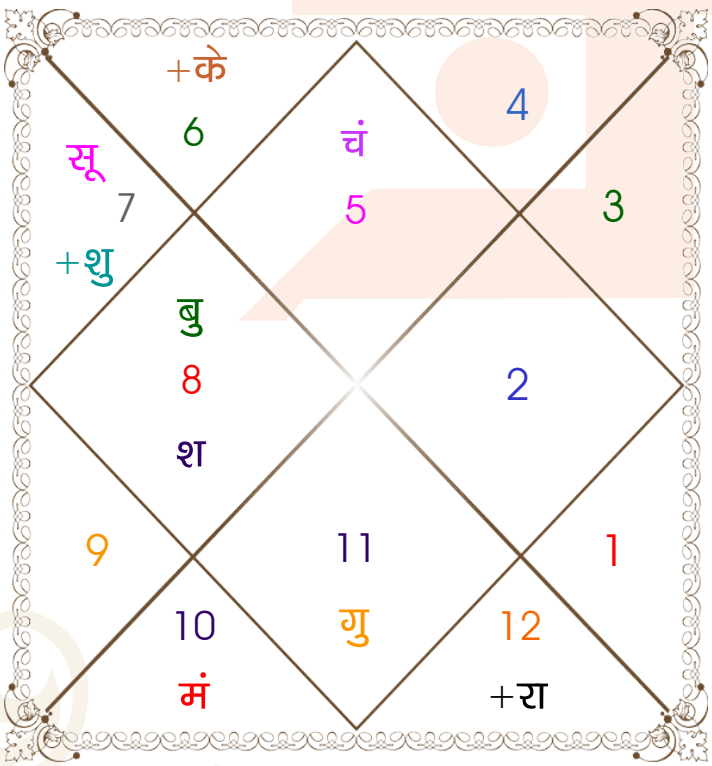

चन्द्र कुंडली

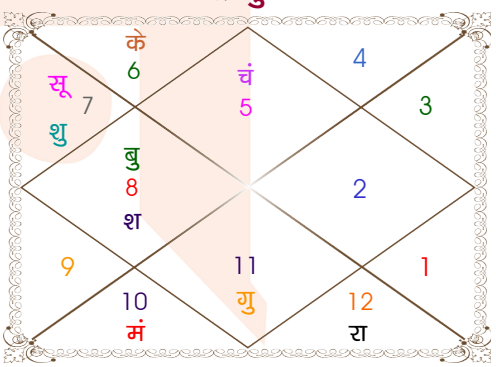

नवमांश कुंडली

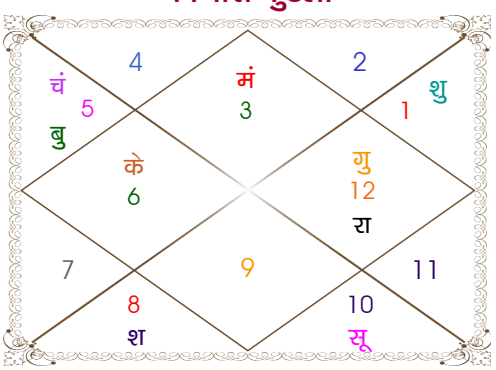

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 8 मास 2 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/10/1986		01/07/2004		01/07/2010		01/07/2020		01/07/2027	
01/07/2004		01/07/2010		01/07/2020		01/07/2027		01/07/2045	
शुक्र	31/10/1987	सूर्य	18/10/2004	चंद्र	01/05/2011	मंगल	27/11/2020	राहु	13/03/2030
सूर्य	30/10/1988	चंद्र	19/04/2005	मंगल	01/12/2011	राहु	15/12/2021	गुरु	06/08/2032
चंद्र	01/07/1990	मंगल	25/08/2005	राहु	31/05/2013	गुरु	21/11/2022	शनि	13/06/2035
मंगल	31/08/1991	राहु	19/07/2006	गुरु	30/09/2014	शनि	31/12/2023	बुध	30/12/2037
राहु	31/08/1994	गुरु	08/05/2007	शनि	01/05/2016	बुध	27/12/2024	केतु	18/01/2039
गुरु	01/05/1997	शनि	19/04/2008	बुध	30/09/2017	केतु	25/05/2025	शुक्र	18/01/2042
शनि	01/07/2000	बुध	23/02/2009	केतु	01/05/2018	शुक्र	25/07/2026	सूर्य	12/12/2042
बुध	01/05/2003	केतु	01/07/2009	शुक्र	31/12/2019	सूर्य	30/11/2026	चंद्र	12/06/2044
केतु	01/07/2004	शुक्र	01/07/2010	सूर्य	01/07/2020	चंद्र	01/07/2027	मंगल	01/07/2045

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/07/2045		01/07/2061		01/07/2080		01/07/2097		02/07/2104	
01/07/2061		01/07/2080		01/07/2097		02/07/2104		00/00/0000	
गुरु	19/08/2047	शनि	04/07/2064	बुध	27/11/2082	केतु	27/11/2097	शुक्र	30/10/2106
शनि	01/03/2050	बुध	14/03/2067	केतु	24/11/2083	शुक्र	27/01/2099		00/00/0000
बुध	06/06/2052	केतु	22/04/2068	शुक्र	24/09/2086	सूर्य	04/06/2099		00/00/0000
केतु	13/05/2053	शुक्र	22/06/2071	सूर्य	01/08/2087	चंद्र	03/01/2100		00/00/0000
शुक्र	12/01/2056	सूर्य	03/06/2072	चंद्र	30/12/2088	मंगल	01/06/2100		00/00/0000
सूर्य	30/10/2056	चंद्र	02/01/2074	मंगल	27/12/2089	राहु	20/06/2101		00/00/0000
चंद्र	01/03/2058	मंगल	11/02/2075	राहु	16/07/2092	गुरु	27/05/2102		00/00/0000
मंगल	05/02/2059	राहु	18/12/2077	गुरु	22/10/2094	शनि	05/07/2103		00/00/0000
राहु	01/07/2061	गुरु	01/07/2080	शनि	01/07/2097	बुध	02/07/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 7 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।